



# हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट, भोपाल

प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग

दिनांक: 20/02/2024

## दैनिक प्रेस क्लिप



## आज की समाचार कतरनें

S no.	Publication	Subject	Page no.
01	Nav Bharat	Corporate related news	02
02	Dainik Jagran	Corporate related news	03

Publication Date-	20.02.2024	<b>Nav Bharat</b>
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

## एचईसी को बीएचईएल में मर्ज करने की कवायद शुरू

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल. 19 फरवरी. एचईसी को भेल में मर्ज करने की तैयारी शुरू कर दी गई है. यह भविष्य में भेल की एक इकाई के रूप में काम करेगा.

मिली जानकारी के अनुसार एचईसी के पास ऐसे-ऐसे उपकरण बनाने की क्षमता है, जो देश की अन्य कंपनियां नहीं बना सकती हैं. वर्तमान में एनसीएल ने 450 करोड़ रुपये का कार्यादेश निकाला है. यहां के कर्मियों के दिन जल्द ही फिरने वाले हैं. इसके लिए केंद्र सरकार ने कवायद शुरू कर दी है. उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भेल के सीएमडी के एस मूर्ति एचईसी के प्रभारी सीएमडी हैं, वहीं, एचईसी के निदेशक वित्त राजेश त्रिवेदी, निदेशक कार्मिक एके बेहरा, निदेशक विपणन एके सिंघल व निदेशक उत्पादन एसडी सिंह भी भेल काइर के अफसर हैं. एचईसी



में अतिरिक्त प्रभार पर हैं. एचईसी की वर्तमान आर्थिक स्थिति, देनदारी, प्लांटों के जीर्णोद्धार व करीब 1200 करोड़ रुपये के कार्यादेश को देखते हुए एचईसी को भेल में मर्ज करने की कवायद शुरू की गयी है. इस बारे में भेल के प्रवक्ता विनोदादनंद झा ने कहा कि यह कॉर्पोरेट स्तर का मामला है. हम कुछ नहीं बता सकते हैं.



Publication Date-	20.02.2024	<b>Dainik Jagran</b>
Page no.-	04	
Journalist-	Bhopal Bureau	

## एचईसी को संकट से उबारेगा भेल, होगा विलय

**प्रस्ताव प्रारंभिक चरण में, विलय के बाद भेल की यूनिट के रूप में काम करेगी एचईसी**

भेल। HEC का विलय BHEL में होगा। इसे लेकर प्रक्रिया शुरू हो गई है। भेल में एचईसी मर्ज होने जा रही है। इसे जुड़े प्रस्ताव को भी क्राश्वर की ओर से तैयार कर लिया गया है। एचईसी की वर्तमान आर्थिक स्थिति, देनदारी, प्लांटों के जीर्णोद्धार व करीब 1200 करोड़ रुपये के कार्यादेश को देखते हुए एचईसी को भेल में मर्ज करने की कवायद शुरू की गयी है। हालांकि अभी प्रस्ताव प्रारंभिक चरण में है। विलय के बाद एचईसी भेल की यूनिट के रूप में काम करेगी। अब यह प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। एचईसी भेल की जरूरतों को पूरा करेगा। भेल ही एचईसी के प्लांटों का आधुनिकीकरण भी करेगा। सूत्रों ने बताया है कि एचईसी के पास ऐसे-ऐसे उपकरण बनाने की क्षमता है, जो देश की अन्य कंपनियां नहीं बना सकती है। वर्तमान में एनसीएल ने 450 करोड़ रुपये का कार्यादेश निकाला है। यहां के कर्मियों के दिन जल्द ही फिरने वाले हैं। इसके लिए केंद्र सरकार ने कवायद शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार एचईसी को भेल में मर्ज करने की तैयारी शुरू कर दी है।

### भेल और एचईसी दोनों भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन

जागरूकता हो कि भेल और एचईसी दोनों भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन हैं। भेल और एचईसी दोनों रणनीतिक और इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए काम करते हैं। एचईसी के पास तीन प्लांट हैं और इनमें फ़ोर्जिंग, मशीनिंग से लेकर टूल्स निर्माण के भी प्लांट हैं। एचईसी सभी तरह के उपकरणों का निर्माण करता है। पिछले तीन साल से एचईसी में स्थायी सीएमडी की नियुक्ति नहीं की गयी है। भेल के सीएमडी और चार निदेशक ही एचईसी के प्रभार में हैं। इन तीन सालों में भेल के उच्च अधिकारियों ने भेल की यूनिट के रूप में एचईसी की उपयोगिता पर रिपोर्ट भी मंत्रालय को भेजी है। इसके बाद से मंत्रालय इसकी तैयारी करने में लगा है।